







## न्यूज़ पलैश

पानीपत पुलिस के सिपाही को जान से मारने की धमकी देते का आरोप गन्नौर: इयूटी के बाद वापिस घर लौट रहे पानीपत पुलिस के सिपाही को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुराने केस उठाने का दबाव डालने के लिए 7 बदमाशों ने पीछा करते हुए सिपाही के साथ साथ उसके परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी है। थाना गन्नौर पुलिस में सिपाही की शिकायत पर 7 बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव लाला गढ़ी निवासी प्रवीन ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग लगातार उनका पीछा कर रहे थे। वह 8 अक्टूबर को जब घर आ रहे थे गास्ट में संजीव, संजीव टीटा के साथ ही गोकरण, चांद्रम, राजीव व राजेंद्र दोनों घरें घेर लिया। उन्होंने हड्डी धमकी दी कि तेरे साथ पहुंच लेका हुआ था, तुम्हें पता है। आगे अगर हमारे खिलाफ सच बोला तो तुम्हें वह तुम्हरे परिवार को जान से मार देंगे। अपने केस उठाते हैं, नहीं तो भविष्य में अंजाम भुगतने को तैयार रहना। जिस पर उन्होंने पुलिस को अवाकाश दिया। पुलिस ने मामले में शिकायतकर्ता को मारने की धमकी देने का प्रयत्न किया है। पुलिस टीम आरोपियों का पता लगा रही है।

पहले ही चुका है जानलेवा हमला: सिपाही प्रवीन पर 14 अक्टूबर 2021 को हमला कर उनके साथ लूपटाप की गई थी। घटना की रात को वह इयूटी से लौट रहे थे। गढ़ी के सिपाही मोड़ पर बस से उत्तर कर वह पैदल ही अपने गांव लाला गढ़ी-गढ़ी के सिपाही रोड पर पहुंचे थे तो बाइक सवार तीन युवकों ने उन पर चाकू से हमला कर उनकी सर्विस रिवॉल्वर, 10 कारतूस, बैग, पस जिसमें करीब 2300 रुपये नकद, डेविट कार्ड, अधार कार्ड, आई कार्ड व अन्य जरूरी कागजात लूट लिए थे। पुलिस ने मुकाबला दर्ज कर फरवरी, 2022 में तीन अरोपियों गांव बैग निवासी संजू उफ्र सूज, पीराढ़ी निवासी संजीव व संजू उफ्र टीटा का गिरफतार कर लिया था।

मामले की जांच में जुटी पुलिस: एसीपी गन्नौर गोरखपाल राणा ने बताया कि पुलिस ने सिपाही प्रवीन के शिकायत पर 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में जो भी सामने आएगा उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

## सीटीपीटी गढ़ी में सांदिग्य परिस्थितियों में 3 द्व्यक्तियों की गिरने से हुई मौत

पानीपत/कमाल हसैन पानीपत-हरिद्वार रोड पर सानीली खुर्द के पास होटल जय फूडस के सामने एक फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री के अंदर बने कमिकल के सीटीपीटी गढ़ी में सांदिग्य परिस्थितियों में 3 द्व्यक्तियों की मौत हो गई। इसकी सुचना जैसे ही पुलिस व परिजन मोके पर पहुंचे और तीनों मृतक युवकों को के शब का बाहर निकाला। वही परिजनों ने हत्या कर गढ़ी में डालने का आरोप लगाया। और पुलिस का शिकायत देकर ठोस कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक सिपाही करता हुआ फैक्ट्री मालिक नवीन, विष्णु, योगेश व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांकारी अनुसार रसलापुर गांव निवासी सदाम पुत्र कामिल व जुल्कान पुत्र मुदा ने बताया कि उनके भाई इस्लाम पुत्र कामिल व कुरुबान पुत्र मुदा हाटल जय फूडस के सामने गोरांजन्टर नाशन प्राली. में डैटर ड्राइवर और फैक्ट्री से कैपिटल का गांव व जहरीला पानी निकालकर फैक्ट्री मालिकों के कहने पर नहर में डालते थे। रात के 12 बजे तक अपनी इयूटी खम्ब करके घर वापिस आ जाते थे। पिछले काफी समय से फैक्ट्री मालिक अतिरिक्त काम करवा रहा था। लेकिन वह हिसाब से मानेय नहीं दे रहा था। इसको लेकर करीब 10-15 दिन पहले फैक्ट्री मालिकों ने अन्य कर्मचारियों से मिलकर इनके साथ मारपीट की थी और जान से मारने की धमकी दी थी। शनिवार को वो फैक्ट्री में काम पर गये थे। रात लगभग 12 बजे तक जब घर नहीं आए तो फैक्ट्री में जाने के कारण वो उन्हें छुड़ने फैक्ट्री गये तो गार्ड ने बताया कि वह दोनों काफी समय पहले जा चुके हैं और गेट नहीं खोला, उन्हें बता चला कि गर्जस के चलते इस्लाम, कुरुबान व एक अन्य सुरेश की हत्या कर रहा है। खबर सूत कलर और अॉशन के साथ, एपीसीएक रेफिंजरेटर जिसी भी किंवदं एक अंवन एपीसीए और व्यक्तिकों को ऐड करते हैं। २०४८लें की नई बीसीएक डबल डोर रेफिंजरेटर जें, बीसीएक प्रीमियम कोटा रेटल और रेफिंजरेटर जें, एपीसीएक रेफिंजरेटर के साथ व्यक्तिगत खुबसूरती को जोड़ती है, जिससे रोजगार की जिदी आसान और स्टाइलिश बन जाती है। बीसीएक प्रीमियम कोटा वरिएटें आपकी किंवदं एक विंडेज आकर्षण और खुबसूरती को जोड़ता है। यह दो कलर और अॉशन - कांटा बैंज और चारकाल (दुअल टोन) और कोटा चारकाल में उपलब्ध होगा।



बलिका के 73 किलोग्राम भार वर्ग में केरल की पहलवान फिदा को बाई फॉल कर पदक जीता है।

# जिलेभर में की गई नाकेबंदी और चलाया घैकिंग अभियान

## जिलेभर में नाकाबंदी की गई व विभिन्न थाना क्षेत्रों में गश्त की गई

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।

पुलिस महानिदेशक के



निदेशनुसार आज सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला पुलिस द्वारा जिलेभर में पुलिस उपस्थिति दिवस मनाया गया। पुलिस अधीक्षक शंशाक कुमार सावन के मार्गदर्शन में काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति दिवस को बताया कि कुछ लोग लगातार उनका पीछा कर रहे थे। वह 8 अक्टूबर को जब घर आ रहे थे गास्ट में संजीव, संजीव टीटा के साथ ही गोकरण, चांद्रम, राजीव व राजेंद्र दोनों घरें घेर लिया। उन्होंने हड्डी धमकी दी कि तेरे साथ पहुंच लेका हुआ था, तुम्हें पता है। आगे अगर हमारे खिलाफ सच बोला तो तुम्हें वह तुम्हरे परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी है।

थाना गन्नौर पुलिस में सिपाही की शिकायत पर 7 बदमाशों ने पुलिस से खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव लाला गढ़ी निवासी प्रवीन ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग लगातार उनका पीछा कर रहे थे। वह 8 अक्टूबर को जब घर आ रहे थे गास्ट में संजीव, संजीव टीटा के साथ ही गोकरण, चांद्रम, राजीव व राजेंद्र दोनों घरें घेर लिया। उन्होंने हड्डी धमकी दी कि तेरे साथ पहुंच लेका हुआ था, तुम्हें पता है। आगे अगर हमारे खिलाफ सच बोला तो तुम्हें वह तुम्हरे परिवार को भी जान से मार देंगे। अपने केस उठाते हैं, नहीं तो भविष्य में अंजाम भुगतने को तैयार रहना। जिस पर उन्होंने पुलिस को अवाकाश दिया। पुलिस ने मामले में शिकायतकर्ता को मारने की धमकी देने का प्रयत्न किया है। पुलिस टीम आरोपियों का पता लगा रही है।

पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में चैकिंग व गश्त की गई।

उपस्थिति दिवस में तेजत हो रही थी।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300

पुलिस कर्मचारी इस पुलिस

काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति

दिवस के तहत जिलेभर में नाकाबंदी की गई।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300

पुलिस कर्मचारी इस पुलिस

काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति

दिवस में तेजत हो रही थी।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300

पुलिस कर्मचारी इस पुलिस

काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति

दिवस के तहत जिलेभर में नाकाबंदी की गई।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300

पुलिस कर्मचारी इस पुलिस

काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति

दिवस के तहत जिलेभर में नाकाबंदी की गई।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300

पुलिस कर्मचारी इस पुलिस

काव्य करते हुए पुलिस उपस्थिति

दिवस के तहत जिलेभर में नाकाबंदी की गई।

पुलिस द्वारा जिला के तमाम

परिवेशप्र अधिकारी फैलिल में

मौजूद रहे और करीब 300



## संपादकीय

योगी का सहयोगी  
संघवाद

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश की एक नई और चमकदार तस्वीर प्रस्तुत की है। यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भाव और विकासित बनाने का संकल्प लिया है। संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में निरन्तर प्रयास चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश की इस विकास यात्रा में भी साथाधिक उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। प्रदेश सरकार हमें तबके को बिना भेदभाव के योगजाओं का देखा रहा है। पहले की सरकारें कुछ खास क्षेत्रों पर ध्यान देती थीं, जबकि वर्तमान सरकार बिना भेदभाव के पूरे प्रदेश को योगजाओं से साथाधिकत बनाना रही है। उत्तर प्रदेश डिफेस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में छह नोड्स विकासित किए जा रहे हैं।

बुद्धिमत्तु भूमि परेजल की समस्या के निदान के लिए हर घर नल योगजाना लाइ गई है। पात्र लोगों को आयुष्मान भारत योगजान से जोड़ते हुए गोलांकार कार्ड प्रदान किए जा रहे हैं केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश सरकार सभी निर्बन्धों को निश्चयन पवर्के घर उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में यह कोरोना लालू परिवारों को शोधालय उत्तरव्य कराए गए हैं। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। आज राष्ट्रीय फलक पर एक ऐसा उत्तर प्रदेश उभरकर आया है, जिसकी छावं बीमारूल राज्य की नहीं, बल्कि ऐसे विकासशाली राज्य की है जो भारत की प्रगति में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहा है। छह नाल से उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, तकनीक जिटलर इंडिया, कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकों का उपयोग, तकनीक के माध्यम से भ्राताचार को कम करने व व्यवसाय का उपयुक्त माहौल प्रदान करने में की गई प्रगति सम्बन्धी काम को प्रदर्शित करने का सुअवसर मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीम इंडिया विजन से सहकारी संघवाद की अवधारणा साकार हो रही है। मध्य क्षेत्रीय परिषद सहकारी संघवाद को सुधूर करने हुए प्रधानमंत्री के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने हुए एस्ट्रेट ड्राइव में महत्वपूर्ण योगदान देती रहीं। सहकारी संघवाद की एक अधिक्यक्ति क्षेत्रीय परिषद भी है। यह एक सहकारिता मंत्री अभियान शाह ने कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए क्षेत्रीय परिषदों को सक्रिय किया है। उत्तर प्रदेश अगले पांच वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर का आकार देने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश देश में गन्ना, चीनी और एथ्रोल उत्पादन में प्रगति स्थित पर है। स्पार्ट गना किसान के माध्यम से अपनी उपचारों को उपयुक्त योगदान दे रहा है। यह वर्ष सहकारिता मंत्री अभियान शाह ने जोगल का उपयुक्त माहौल प्रदान करने में की गई सम्भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। आज राष्ट्रीय फलक पर एक ऐसा उत्तर प्रदेश उभरकर आया है, जिसकी छावं बीमारूल राज्य की नहीं, बल्कि ऐसे विकासशाली राज्य की है जो भारत की प्रगति में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहा है। छह नाल से उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, तकनीक जिटलर इंडिया, कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकों का उपयोग, तकनीक के माध्यम से भ्राताचार को कम करने व व्यवसाय का उपयुक्त माहौल प्रदान करने में की गई सम्भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।



“ असल में आज की भौतिकतावादी दुनिया में हम संघंधों और रिश्तों की महत्व की भूल चुके हैं। आज हम में से बहुतों के लिए रिश्तों का कोई महत्व नहीं। ऐसे संघंधों के विवरण को विवाद के साथ आपस में जोड़ा गया है, क्योंकि अब छोटे-छोटे निजी स्वार्थों को लेकर रक्त संबंधों अथवा नातेरी संघंधों की बलि चढ़ाने में आमजन भी शामिल हो गए हैं। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घनिष्ठता जैसे कारों के फैलाव के सामने परिवार, समुदाय तथा इनमें समाहित सामाजिक रिश्ते बैठने नजर आ रहे हैं। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। परिवारिक मूल्यों के छोटे जोड़े जाने का रोना हर तरफ सुनारा देता है, पर इसकी तह में जाने की जरूरत है। क्या विकास की हमारी मोजूदा सोच से इसका कोई नाता नहीं है। इसलिए सामाजिक रिश्तों में टूटन की तीव्रता वास्तव में हमारी चिंता का विषय है। वर्तमान की इस सच्चाई को प्रस्तुत करने में कोई हिचक नहीं कि तकनीकी मूल्यों, पूँजी के जमाव, आक्रामक बाजार, सूचना तकनीकों के साथ में सोशल मीडिया से बढ़ती घन

## न्यूज़ पलैश

किसान फसल के अवशेष खेत में मिलाकर बढ़ाएं मिट्टी की उर्वरक शक्ति: डॉ. रामपाल

करनाल/टीम एक्शन इंडिया  
उप कृषि निदेशक डॉ. वज्रज सिंह के दिशा निदेशानुसार किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गांव-गांव जाकर प्रचार किया जा रहा है। खंड कृषि अधिकारी डॉ. रामपाल स्टौंडी ने बताया कि धान की कटाई के बाद जो अवशेष बचते हैं, मिट्टी में मिलने से पोटाश व अन्य पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही आग्रानिक काबून की मत्रा में भी बढ़ती होती है, जिनकी मिट्टी में काफी कमी फैल गई है।

उहोंने बताया कि इसके साथ-साथ किसानों को बेलर के माध्यम से वेल बनाकर भी फसल अवशेष का प्रबंधन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है तथा केन्द्र व हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

उहोंने बताया कि किसान सीआरएम स्कीम के तहत अपना पंजीकरण मेरी फसल-मेगा बोर्ड पर जाकर इन सीटू और एक्स सीटू में कवाया सकते हैं। फसल अवशेषों का प्रबंधन करने पर हरियाणा सरकार द्वारा प्रति एकड़ हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है। इसमें प्रति किला एक हजार रुपये अनुदान सरकार के द्वारा किया जाएगा, बशर्ते किसानों को प्रति किले की इन सीटू और एक्स सीटू करते समय फोटो लेना अनिवार्य है।

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**पानीपत  
(कमाल हुसैन)**  
(मो. नं.: 9813507693)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**अंबाला  
(मनीष)**  
(मो. नं.: 9896772006)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**पानीपत  
(बिजेंद्र सिंह)**  
(मो. नं.: 9466035040)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**करनाल  
राजकुमार शर्मा (प्रिंस)**  
(मो. नं.: 98962 76156)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**चंडीगढ़/पंचकुला  
हरज्जान चौधरी**  
(मो. नं.: 94668 87896)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**सोनीपत  
(संजीव कौशिक)**  
(मो. नं.: 9991270143)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**फटीदाबाद  
हरपाल सिंह यादव**  
(मो. नं.: 98117 14343)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**पंचकुला  
(मैनपाल)**  
(मो. नं.: 9671232478)

समाचार पत्र, विज्ञापन एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए संपर्क करें।

**कुरुक्षेत्र  
दलबीर मलिक**  
(मो. नं.: 94162 71181)

# 'प्रधानमंत्री ने देश को वैश्विक स्तर पर बनाया ताकतवर' नीलोखेड़ी विधानसभा के विभिन्न गांवों में जन संवाद, मौके पर समस्याएं सुन अधिकारियों को दिए

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने देश को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया है। इस ताकत को बनाए रखने के लिए हमें प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी की नीतियों पर विश्वास बनाए रखना होगा।

यह बात राज्यसभा संसद कृष्ण लाल पंचवार ने सोमवार को नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र के गुरुग्राम, कुपुरा, बसली, फेटाहाड़ व अन्य गांवों में जन संवाद के लिए दो दिन उपस्थित अमाजन को संबोधित करते हुए कही। उहोंने कहा कि यह पहला



लिए निर्देश दिए। सांसद कृष्ण लाल पंचवार ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि जब किसानों को एक भी एकड़ जीन प्रदेश सरकार की ओर से अधिग्रहित नहीं की गई है। इतना ही नहीं आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि मुख्यमंत्री नेंद्र मोदी लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार हर गांव के विकास के लिए आपने सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उहोंने कहा कि आज हमें सभी को गेहू़व जीरों के भी अच्छे दाम मिल रहे हैं।







